पाश्चात्य काव्यशास्त्र
(BAHHCC11)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना

चिंतन के नए आयामों की ओर आकर्षण विकसित करना
साहित्यिकता की नई समझ की ओर कदम बढ़ाना

Course Learning Outcomes

प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी

नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा

Unit 1

इकाई -1. (क) अरस्तू - अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत , त्रासदी

(ख) लौंजाइनस- उदात्त की अवधारणा, उदात्त के वाह्य श्रोत, उदात्त के आतंरिक स्रोत , उदात्त के अवरोधक

Unit 2

इकाई -2 (क) वर्डस्वर्थ और कॉलरिज - कविता सम्बन्धी मान्यताएं , काव्यभाषा सम्बन्धी मान्यताएं , कॉलरिज का कल्पना- सिद्धांत

(ख) टी. एस. इलियट-- परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सहसंबंध

Unit 3

इकाई-3

सामान्य परिचय - स्वच्छन्दतावाद , मार्क्सवादी आलोचना, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

Unit 4

इकाई 4

काव्य-उपादान - बिंब, प्रतीक, विसंगति और विडम्बना, यथार्थ, फैंटेसी , मिथक

भारतीय काव्यशास्त्र
(BAHHCC08)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी

Course Learning Outcomes

संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा

Unit 1

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडित जगन्नाथ तक)
2. काव्य- लक्षण, काव्य- हेतु ,काव्य- प्रयोजन

Unit 2

3. रस : स्वरूप और लक्षण, रस के अंग तथा रस के भेद
4. सब्द- शक्तियां
5. गुण एवं दोष : लक्षण और भेद

Unit 3

6. अलंकार

शब्दानुप्रास : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

अर्थशब्दानुप्रास : उपमा, रूपक, अपह्नुती, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति

7. छंद

(क) समवर्णिक - भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया (भेद सहित), घनाक्षरी

(ख) सममात्रिक - उल्लाला ,चौपाई, रोला, हरिगीतिका

(ग) अर्द्ध- सममात्रिक - बरवै, दोहा, सोरठ

(घ) विषम सममात्रिक - कुंडलिया, छप्पय

Unit 4

8. काव्य-रूप : दृश्यकाव्य (रूपक) एवं उपरूपक , श्रव्यकाव्य : पद्य, गद्य, चम्पू, प्रबंध एवं मुक्तक

References

काव्य दर्पण -रामदहिन मिश्र

रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

काव्य मीमांसा - ती.न. श्रीकंठैय्या

रस- सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र

साहित्य सहचर - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन - सत्यदेव चौधरी

काव्यतत्त्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी

सिद्धांत और अध्ययन - बाबू गुलाब राय

साहित्य -सिद्धांत - रामअवध द्विवेदी

काव्य के तत्त्व - देवेंद्रनाथ शर्मा

काव्यशास्त्र - भागीरथी मिश्र

साधारणीकरण और काव्यास्वाद - राजेंद्र गौतम

साहित्य का स्वरूप - नित्यानंद तिवारी

भारतीय आलोचनशास्त्र - राजवंश सहाय 'हीरा'

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्दावली

हिंदी आलोचना
(BAHHCC13)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आलोचना की सैद्धांतिक और व्यवहारिक समझ विकसित करना

रचना का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना
रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना
रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना

Course Learning Outcomes

विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यवहारिक समझ विकसित होगी

रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी
रचना के गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे
रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा

Unit 1

हिंदी आलोचना का विकास : भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक

Unit 2

छायावादयुगीन आलोचना : पाठ आधारित

रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य, प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद, हजारीप्रसाद द्विवेदी - आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ

Unit 3

नई कविता के युग की आलोचना : पाठ आधारित

रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त-विरोधी मूल्य, अज्ञेय : दूसरा सप्तक की भूमिका, मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष, विजयदेव नारायण साही : शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट

Unit 4

नव लेखन के युग की आलोचना (कथा आलोचना) : पाठ आधारित

नामवर सिंह - नयी कहानी : सफलता और सार्थकता, सुरेंद्र चौधरी - कहानी की पाठ-प्रक्रिया : कथा के स्तरों का प्रश्न, नेमिचंद्र जैन - संदर्भ की खोज, निर्मल वर्मा - रेणु : समग्र मानवीय दृष्टि

References

रामविलास शर्मा - भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा

रामविलास शर्मा - महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
आचार्य रामचंद्र शुक्ल - चिंतामणि
रामविलास शर्मा - परम्परा का मूल्यांकन
अज्ञेय (संपा.) - दूसरा सप्तक
गजानन माधव मुक्तिबोध - नयी कविता का आत्मसंघर्ष
नामवर सिंह - दूसरी परम्परा की खोज
नामवर सिंह - कहानी : नयी कहानी
निर्मल वर्मा - शब्द और स्मृति
नेमिचंद्र जैन - अधूरे साक्षात्कार
विजयदेव नारायण साही - छठवाँ दशक
सुरेंद्र चौधरी - हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ
कृष्णदत्त शर्मा - मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि
विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी आलोचना

Additional Resources:

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर सेमिनारों का आयोजन।

Assessment Methods

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

परीक्षा : 75 अंक

हिंदी उपन्यास
(BAHHCC10)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी

प्रमुख साहित्यकार और उनके उपन्यासों की चर्चा
कथा साहित्य विश्लेषण पद्धति

Course Learning Outcomes

उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति

हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान
प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय

Unit 1

1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास,

प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान (श्रीनिवासदास, प्रेमचंद, फनीश्वरनाथ रेणु, जैनेन्द्र, यशपाल, अज्ञेय, श्रीलाल शुक्ल, मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा)

Unit 2

2. प्रेमचंद - कर्मभूमि

Unit 3

3. जैनेन्द्र - त्यागपत्र

Unit 4

4. यशपाल : दिव्या

5. मन्नू भण्डारी : आपका बंटी

References

प्रेमचंद: उपन्यास संबंधी निबंध- (विविध प्रसंग भाग-3)

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

उपन्यास और लोकजीवन- राल्फ फॉक्स

हिंदी उपन्यास- सं. भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया

कथा समय में तीन हमसफर – निर्मला जैन

हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरस मिश्र

प्रेमचंद: एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान

उपन्यास का उदय- इयान वाट

उपन्यास के पहलू- ई. एम. फॉस्टर

विविध प्रसंग- प्रेमचंद

कलम का सिपाही – अमृत राय

कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलस शर्मा

आस्था और सौंदर्य – रामविलस शर्मा

प्रेमचंद- सं. सत्येंद्र

सृजनशीलता का संकट- नित्यानंद तिवारी

हिन्दी उपन्यास- सं . नामवर सिंह

आलोचना की समाजिकता- मैनेजर पाण्डेय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

हिन्दी कथा साहित्य

हिंदी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य)
(BAHHCC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना |

2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों - अमीर खुसरों और विद्यापति की विशिष्ट भूमिका रही है | इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना |

3. भक्तिकाल के अंतर्गत - संत्काव्य, प्रेमाख्यानकाव्य, राम-काव्य और कृष्णकाव्य के प्रमुख कवियों - कबीर, मंझन, तुलसीदास और सूरदास का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना |

4. भक्तिकाल में मीरां का महत्वपूर्ण स्थान है | युगीन सन्दर्भों में उनका काव्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है | स्त्री-विमर्श की दृष्टि से भी मीरा-काव विशिष्ट है |

Course Learning Outcomes

1. आदिकाल के परिवेश - राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भलीं-भांति परिचित हो सकेंगे |

2. आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे |

3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है | इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा | विद्यार्थी साधना के मार्ग पर अग्रसर होंगे |

4. भक्तिकाल साहित्य सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है|

Unit 1

(क) अमीर खुसरो – अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व, डॉ. परमानंद पांचाल

कव्वाली – (1)

गीत – (4), (13)

दोहे – 5 दोहे

(पृष्ठ 86) (1) गोरी सोवे (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा चकवी (5) सेज सूनी

(**ख) विद्यापति** – विद्यापति की पदावली; संपादक- आचार्य श्रीरामलोचन शरण

(श्री रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा संकलित पुस्तक)

वंदना – 1 राधा की वंदना

श्रीकृष्ण का प्रेम - 35 (प्रेम प्रसंग)

राधा का प्रेम – 36

Unit 2

(क) कबीरदास – कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ. माता प्रसाद गुप्त

(लोकभारती प्रकाशन, प्रथम संस्करण, फरवरी 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)

भर्म बिधौंसण कौ अंग (1, 10)

भेष कौ अंग (2, 12)

साध साषीभूत कौ अंग (3, 4)

सारग्राही कौ अंग (3, 4)

संमथाई कौ अंग (9)

-

पद संख्या 64 – काहे री नलनी...

-

पद संख्या 66 – अब का डरूँ...

(ख) मंझन – मंझन-कृत 'मधुमालती' ; संपादक माता प्रसाद गुप्त

नख-शिख वर्णन

1 केश वर्णन (79)

2 नासिका वर्णन (83)

3 अधर वर्णन (87)

4 दंत वर्णन (94)

5 त्रिबली वर्णन (97)

Unit 3

(क) सूरदास : सूरसागर सार : धीरेन्द्र वर्मा (संपादक) , इलाहाबाद – 211003; अष्टम संस्करण सन 1990)

विनय तथा भक्ति पद संख्या – 25 (मेरो मन अनत ...)

गोकुल-लीला पद संख्या 7 (जसोदा हरि पालनै ...)

पद संख्या 18 (सोभित कर ...)

राधा-कृष्ण पद संख्या 1 (खेलत हरि निकसे...)

वृन्दावन - लीला पद संख्या 42 (मुरली तऊ गुपालहि भावति...)

रासलीला पद संख्या 97 (आजु हरि...)

उद्धव-संदेश पद संख्या 141 (ऊधौ मन माने ...)

पद संख्या 158 (अति मलीन ...)

पद संख्या 187 (ऊधौ मोहिँ ब्रज...)

(ख) मीराँबाई की पदावली (संपादक : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन; प्रयाग , बाइसवां संस्करण 2008 ई.)

पद संख्या –5 (तनक हरि चितवाँ ...)

14 (आली री म्हारे ...)

19 (माई साँवरे रँग राँची ...)

22 (माई री म्हा लियाँ ...)

25 (मीरा लागौ रंग...)

31 (माई म्हाँ गोविन्दा...)

36 (पग बाँध घूँघरयाँ ...)

39 (माई म्हाँ गोविन्द गुण...)

70 (हेरी, म्हा तो दरद दिवाँणी ...)

76 (पतियाँ मैं कैसे...)

Unit 4

इकाई – 4 गोस्वामी तुलसीदास (श्रीरामचरितमानस, गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण 2052; चौहत्तरवाँ संस्करण)

सुंदरकाण्ड (दोहा संख्या 26 से दोहा संख्या 31 तक **)**

पूँछ बुझाइ खोइ श्रम ... भुज बल खल दल जीति|

विनयपत्रिका (गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण संख्या 2055)

पद संख्या 105, 111, 162

कवितावली (गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण संख्या 2052; छत्तीसवाँ संस्करण)

- बालकांड– छंद संख्या – 1

- अयोध्याकाण्ड – छंद संख्या – 22
- उत्तरकांड – छंद संख्या – 96, 106

References

सूरदास – रामचंद्र शुक्ल

गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल

त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी

भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय

हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी

कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर – संपा. विजेयेंद्र स्नातक

सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा

निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

तुलसी-काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह

मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – श्याम मनोहर पाण्डेय

सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी

भक्ति आन्दोलन और काव्य – गोपेश्वर सिंह

आलोचना के परिसर – गोपेश्वर सिंह

मीरा : जीवन और काव्य –सी.एल.प्रभात

लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी

मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी

राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य – कैलाश नारायण तिवारी

मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्यचेतना – पूरनचंद टंडन

तुलसीदास का काव्य-विवेक और मर्यादाबोध – कमलानन्द झा

Teaching Learning Process

- निर्धारित पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित कवियों पर विचार-विमर्श
- पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.

- कवियों की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना
- तत्कालीन परिस्थियों में कवियों का विश्लेषण

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्द

हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)
(BAHHCC06)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आधुनिक कविता से परिचय

रचना-प्रक्रिया और विश्लेषण
प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन

Course Learning Outcomes

आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी

साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण
कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी

Unit 1

1. मैथिलीशरण गुप्त

यशोधरा (चुने हुए अंश)

- सिद्धार्थ

- महाभिनिष्क्रमण
- सखी वे मुझसे कहकर जाते.....5,6,7,8,9
- अब कठोर, हो वज्रादपि.....7,8,9,10, 11, 12,13,14
- मानिनी, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान
- दीन न हो गोपी

Unit 2

जयशंकर प्रसाद

उठ उठ री लघु, मधु गुनगुना कर, तुम्हारी आँखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, अरी वरुणा की शांत कछार, ले चल मुझे भुलावा दे कर, अशोक की चिंता

Unit 3

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

संध्या सुंदरी, बदल राग : छह, वह तोडती पत्थर, खेत जोत कर घर आएं हैं, बांधों न नाव, स्नेह निर्झर, वर दे, मैं अकेला, दुरित दूर करो नाथ, अशरण हूँ गहो हाथ

Unit 4

इकाई-4

1. रामधारी सिंह दिनकर----' रश्मिरथी ' : तीसरे सर्ग से कृष्ण - कर्ण संवाद

2. सुभद्राकुमारी चौहान--- ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो वसंत, मुरझाया फूल, मेरे पथिक, झाँसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका

References

जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे बाजपेयी

मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन - नगेन्द्र
निराला की साहित्य साधना - रामबिलास शर्मा
युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
जयशंकर प्रसाद - जयशंकर
छायावाद- नामवर सिंह
मोनोग्राफ- मैथिलीशरण गुप्त, निराला, प्रसाद, दिनकर, सुभद्राकुमारी चौहान

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता- वाचन

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

काव्य कविता आधुनिकता नवजागरण स्वतन्त्रता आदि

हिंदी कविता (छायावाद के बाद)
(BAHHCC09)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य के इतिहास के छायावादी कविता के बाद के समय को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना रहा है । हिंदी विशेष को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हिंदी कविता के प्रत्येक बदलते परिदृश्य को पाठ्यक्रम के अनुक्रम में अच्छे से जान सकें । पाठ्यक्रम का यह पक्ष आधुनिक हिंदी कविता के स्वर्ण युग माने जाने वाले छायावाद की बाद की कविता के पक्ष को उजागर करता है । इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निम्नांकित बिंदुओं के माध्यम से जाना जा सकता है :-

1) छायावाद के बाद की कविताओं में निहित भाव सौंदर्य से विद्यार्थियों को परिचित करना ।

2) कविता के मूल भावपक्ष को हृदयगंम करने में सक्षम बनाना ।

3) कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना ।

4) विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना ।

5) कविताओं के माध्यम से युग बोध पर विचार कराना ।

6) कविता में व्यक्त जीवन के गुण- दोष इत्यादि का बोध कराना ।

7) कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण करना ।

Course Learning Outcomes

सीखने-सिखाने की इस प्रक्रिया में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे :-

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता को काल विशेष के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।

2) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है ।

3) छात्र कविता सीखने के साथ साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे ।

4) कविता के दोनों पक्षों भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा ।

5) आज भूमंडलीकरण का युग है । हिंदी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है । यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है ।

Unit 1

इकाई-1

(क) अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, साँप ।

स्रोत :- चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली ।

(ख) नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, मास्टर, आए दिन बहार के ।
स्रोत:- प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन : संपादक नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 2

इकाई-**2**

(क) रघुवीर सहाय : अधिनायक, रामदास, आप की हँसी, स्वाधीन व्यक्ति ।

स्रोत :- रघुवीर सहाय रचनावली, खण्ड-1, संपा. सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) दुष्यन्त कुमार : कहाँ तो तय था, हो गयी है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, वो आदमी नहीं है, बाढ़ की संभावनाएं ।

स्रोत:- साये में धूप, दुष्यन्त कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 3

इकाई-3

(क) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में ।

स्रोत:- यहाँ से देखो,केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

पानी की प्रार्थना, समूहगायन, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर ।

स्रोत:- तालस्तॉय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद ।

स्रोत:- संसद से सड़क तक - धूमिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 4

इकाई-4

(क) राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं,मारे जाएंगे, उसकी गृहस्थी, आदतों के बारे में ।

स्रोत:- नेपथ्य में हँसी, दो पंक्तियों के बीच में, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) अरुण कमल : नये इलाके में, धार, उधर के चोर, देव भाषा ।

स्रोत:- अपनी केवल धार, नये इलाके में, पुतली में संसार, अरुण कमल - तीनों काव्य संग्रह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली से प्रकाशित ।

References

1) कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह

2) नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा

3) आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

4) समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव

5) समकालीन काव्य-यात्रा – नन्दकिशोर नवल

6) कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह

7) समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर

8) उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा

9) सुन्दर का स्वपन – अपूर्वानन्द

Additional Resources:

1) समकालीन और साहित्य – राजेश जोशी

2) आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरुप चतुर्वेदी

3) अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा

4) हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम

5) हिंदी नवगीत- युगीन सन्दर्भ – रामनारायण पटेल

6) नयी कविता और उसका मूल्यांकन – सुरेशचंद्र सहगल

7) नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा

8) छठवां दशक – विजय देव नारायण साही

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है । कालक्रम से विद्यार्थी छायावाद के बाद के युगबोध को ठीक से जान सकेंगे जो वर्तमान संदर्भो के अनुकूल होगा । छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे । हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है । साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय औ समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है –

Week 1& 2 :- इकाई-1 (क) अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, साँप ।

Week 3 & 4 :- (ख) नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, मास्टर, आए दिन बहार के ।

Week 5 & 6 :- इकाई-2 (क) रघुवीर सहाय : अधिनायक, रामदास, आप की हँसी, स्वाधीन व्यक्ति ।

Week 7 & 8 :-(ख) दुष्यन्त कुमार : कहाँ तो तय था, हो गयी है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, वो आदमी नहीं है, बाढ़ की संभावनाएं ।

Week 9, 10, 11 & 12 :- इकाई-3 (क) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में । पानी की प्रार्थना, समूहगायन, बर्लिन की टूटी दीवार देखकर । (ख) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद ।

Week 13 & 14 :- इकाई-4 (क) राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं,मारे जाएंगे, उसकी गृहस्थी, आदतों के बारे में ।

Week 15 & 16 :-(ख) अरुण कमल : नये इलाके में, धार, उधर के चोर, देव भाषा ।

Assessment Methods

1) छायावाद के बाद के प्रमुख कवियों और उनकी कविताओं पर आधारित परियोजना कार्य तैयार करवाना और मूल्यांकन ।

2) पी.पी.टी. (power point presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना । इस माध्यम से विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा ।

3) विद्यार्थियों के सस्वर वाचन की ओर प्रेरित किया जा सकता है ।

4) काव्य के भाव - सौंदर्य के अतिरिक्त छंद, अलंकार, रस, गुण, शब्द आदि के सौंदर्य से भी आधुनिक सन्दर्भ में परिचित कराया जाना चाहिए ।

5) भाव विश्लेषण के लिए कविता आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना ।

6) मौखिक और लिखित रूप से हिंदी कविता को प्रोत्साहित करना ।

Keywords

'आधुनिक', 'नयी कविता', 'समकालीनता', 'नवगीत', 'उत्तर छायावाद', 'काव्यभाषा', 'अस्तित्ववाद', 'प्रयोगवाद'।

हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)
(BAHHCC04)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

उत्तर मध्यकालीन कविता का अध्ययन समयावधि के साहित्य स्थिति से अवगत कराएगा

सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन-विश्लेषण की जानकारी देना

Course Learning Outcomes

हिन्दी के उत्तर-मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा |

ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा |

Unit 1

1. केशवदास - कविप्रिया (प्रिय प्रकाश, ला. भगवानदीन)

छंद संख्या - तीसरा प्रभाव (1,2,4,5)

पांचवा प्रभाव (1, 10)

छठा प्रभाव (56, 66, 69)

2. रहीम (अब्दुर्रहीम खानखानाँ) - रहीम ग्रंथावली ,संपादक : विद्यानिवास मिश्रा, गोविन्द रजनीश

दोहावली - छंद संख्या 39, 49, 87, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222

Unit 2

3. बिहारी - बिहारी रत्नाकार : प्रणेता श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार' , शिवाला, वाराणसी

छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347, 363, 388

Unit 3

4. घनानंद - घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा; वाणी वितान; बनारस- 1

सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54)

Unit 4

(क)

5. भूषण - शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या –50, 104, 411, 420, 443, 512, 515

(ख)

6. गिरिधर कविराय - गिरिधर कविराय ग्रंथावली; संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त

छंद संख्या – 11,16, 36, 70, 71, 89, 99

References

बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

भूषण - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) - संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त

घनांनंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़

रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र

कविवर बिहारलाल और उनका युग - रणधीर प्रसाद सिन्ह

भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा

हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास - रामस्वरूप शास्त्री

हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल - महेंद्र कुमार

हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास , भाग - 6- संपा. डॉ. नगेन्द्र

द्विजदेव और उनका काव्य - अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी

घनांनंद ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

स्नेह को मारग - इमरै बंघा

आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन - कैलाश नारायण तिवारी

हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल सेव रीतिकाल तक) - पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

हिंदी कहानी
(BAHHCC07)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी

कहानी विश्लेषण की समझ
कथा साहित्य मे कहानी की स्थिति का विश्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course Learning Outcomes

हिन्दी कथा साहित्य का परिचय

कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

Unit 1

उसने कहा था - गुलेरी

पूस की रात - प्रेमचंद

छोटा जादूगर - प्रसाद

Unit 2

पाजेब - जैनेन्द्र

तीसरी कसम - रेणु

चीफ की दावत - भीष्म साहनी

Unit 3

माया का मर्म - निर्मल वर्मा

वापसी - उषा प्रियम्वदा

सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती

Unit 4

जंगल जातकम - काशीनाथ सिंह

दोपहर का भोजन - अमरकान्त

घुसपैठिए - ओमप्रकाश वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह

नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर

एक दुनिया समानान्तर - राजेंद्र यादव

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी

हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश

हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ - सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

Additional Resources

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ - गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त

कहानी का लोकतन्त्र - पल्लव

पत्रिकाएँ - पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य

ई पत्रिका - हिन्दी समय, गद्य कोश

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

हिंदी नाटक/एकांकी
(BAHHCC12)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आधुनिक हिन्दी नाटक और एकांकी के उद्भव और विकास की जानकारी देना.
नाट्य-विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.
पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों और एकांकियों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रय करना.

Course Learning Outcomes

सम्बंधित नाटककारों के युग की सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे.
विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक समरसता के भाव का विकास होगा.
स्त्री-सशक्तिकरण के भाव को बल मिलेगा.
विभिन्न मनःस्थतियों और परिस्थितियों में जीवन-तत्व खोने की दृष्टि विकसित होगी.
नैतिक मूल्यों का विकास होगा.
साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी.

Unit 1

भारत- दुर्दशा - भारतेन्दु

Unit 2

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

Unit 3

बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

Unit 4

दीपदान- रामकुमार वर्मा

स्ट्राइक - भुवनेश्वर

सुखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क

तीन अपाहिज - विपिन कुमार अग्रवाल

References

नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना - सत्येंद्र तनेजा

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - संपा. नेमिचन्द जैन

हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

हिंदी के प्रतीक नाटक - रमेश गौतम

हिंदी नाटकों में विद्रोह की परंपरा - किरणचंद भार्मा

जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन - विनोद शाही

प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना - गोविन्द चातक

हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी

नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा

नई रंगचेतना और बकरी - कुसुम लाता

एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, एन॰एस॰डी भ्रमण

हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
(BAHHCC14)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

अन्य गद्य विधाओं की जानकारी

विश्लेषण पद्धति
प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओं का अवलोकन

Course Learning Outcomes

कथेतर साहित्य का परिचय

विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1

इकाई-1 निबंध

बालकृष्ण भट्ट - जुबान

बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊँट, राजकमल प्रकाशन, 1988

सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

रामचंद्र शुक्ल - अतीत की स्मृति

Unit 2

इकाई -2 निबंध

हजारीप्रसाद द्विवेदी - भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

हरिशंकर परसाई - वैष्णव की फिसलन

महादेवी वर्मा - हमारी श्रृंखला की कड़ियाँ

Unit 3

इकाई-3 जीवनी/आत्मकथा

पांडेय बेचन शर्मा - अपनी खबर, आत्माराम एंड संस

रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग-1 से 'नए संघर्ष'

शीर्षक अध्याय

Unit 4

इकाई - 4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृत्तांत

संस्मरण : अज्ञेय के साथ - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

रेखाचित्र : सुभान खाँ - रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से

यात्रा वृत्तांत : राहुल सांकृत्यायन - अथातो घुमक्कड जिज्ञासा

References

सहायक ग्रंथ

- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन - सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध - सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट,इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण - विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेन्दु युग - रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य - हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री - पाल बसीन
- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया - विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, साहित्यिकता की समझ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास
(BAHHCC01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी (विशेष) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिंदी (विशेष) को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत अवश्यक है । साथ ही पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर लिया । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीक की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा । क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1) उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा ।

2) हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा ।

3) कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है ।

4) वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा । अत: यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है ।

5) भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा ।

6) शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है ।

Unit 1

इकाई -1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्यभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- हिंदी शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

Unit 2

इकाई -2 : हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क-भाषा, संचार भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरुप
- हिंदी का अंतरराष्ट्रीय सन्दर्भ

Unit 3

इकाई-3 : लिपि का इतिहास

- भाषा और लिपि का अंत: संबंध
- परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भाव लिपि, ध्वनि-लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

Unit 4

इकाई- 4 : देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण

• आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं

• देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

References

1) हिंदी भाषा का विकास- धीरेन्द्र वर्मा
2) हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
3) हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी
4)भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
5)आधुनिक हिन्दी के विविध आयाम - प्रो० कृष्ण कुमार गोस्वामी
6)हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ-संपादक - रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

1) भारतीय पुरालिपि- डॉ. रामबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
2) हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
3) लिपि की कहानी – गुणाकर मुले

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

इकाई -1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

• भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्यभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)

• हिंदी का आरंभिक रूप

• हिंदी शब्द का अर्थ एवं प्रयोग

• हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

सप्ताह 5 से 8 के बीच

इकाई -2 : हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

• हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ

•हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क-भाषा,

संचार भाषा)

•हिंदी का अखिल भारतीय स्वरुप

•हिंदी का अंतरराष्ट्रीय सन्दर्भ

सप्ताह 9 से 12 के बीच

इकाई-3 : लिपि का इतिहास

- भाषा और लिपि का अंत: संबंध
- परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भाव लिपि, ध्वनि-लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

सप्ताह 13 से 16 के बीच

इकाई- 4 : देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
- देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

Assessment Methods

1) हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि आधारित परियोजना कार्य ।

2) हिंदी भाषा की विभिन्न बोलियों का व्यावहारिक अध्ययन प्रस्तुत करना ।

3) हिंदी भाषा की विविध बोलियों की विशेषताओं का व्यावहारिक अध्ययन ।

4) चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि के भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण ।

5) लिपि के विकास की ऐतिहासिक परम्परा का नमूनों सहित विश्लेषण ।

6) कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फ़ॉन्ट्स का व्यावहारिक ज्ञान ।

Keywords

लिपि’, ‘देवनागरी’, ‘भारोपीय’, ‘भाषा परिवार’, ‘संस्कृत’, ‘पालि’, ‘प्राकृत’, ‘अपभ्रंश’, ‘बोलियाँ’, ‘राष्ट्रभाषा’, ‘राजभाषा’, ‘संपर्क भाषा’, ‘चित्रलिपि’, ‘भावलिपि’, ‘आदिकाल’, ‘मध्यकाल’, ‘आधुनिककाल’, ‘ध्वनिलिपि’, ‘मानकीकरण’, ‘हिंदी कंप्यूटर’, ‘हिंदी फॉन्ट’ ।

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
(BAHHCC03)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी

प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course Learning Outcomes

हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान

इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
इतिहास निर्माण की पद्धति

Unit 1

हिंदी साहित्य : इतिहास-लेखन

हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय

हिंदी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण

Unit 2

आदिकाल

आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य

रासो काव्य

लौकिक साहित्य

Unit 3

: भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

भक्ति- आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप

भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि

भक्तिकाल की धाराएँ :

(1) निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)

(2) सगुण धरा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

(3) अन्य काव्य

Unit 4

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

युगीन- पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)

काव्य- प्रवृत्तियाँ

(1) रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध

(2) रीतिमुक्त काव्य

(3) वीरकाव्य, भक्तिकाल, नीतिकाव्य

References

हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिंदी साहित्य का अतीत - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डा. नगेन्द्र

हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्म

साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय

मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध - मुकेश गर्ग

भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार - संपा. गोपेश्वर सिंह

आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा. अनिल राय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
(BAHHCC05)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय

साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course Learning Outcomes

विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है ।

साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को भी चिन्हित करना है । साहित्येतिहास के बिना साहित्य-विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं । अतः साहित्य-विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है ।

Unit 1

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण काल, नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिन्दी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2

- कथा साहित्य
- नाटक
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन)
- आलोचना

Unit 3

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और साहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मिता विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

2. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा
4. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
6 . हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7 . आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
8 . छायावाद - नामवर सिंह
9. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
10. तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ - संपादक-अज्ञेय
11. हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास - राजेंद्र गौतम
12 . समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
13. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक - डॉ. नेगेन्द्र
14 . हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी
15 . हिंदी नाटक : नयी परख - संपादक - रमेश गौतम
16 . कथेतर - माधव हाड़ा

Additional Resources:

1. इतिहास तिमिरनाशक - शिवप्रसाद सितारेहिंद
2. शिवसिंह सरोज - शिवसिंह सेंगर

3. हिंदी नवरत्न - मिश्र बंधु

4. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, कालजयी, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि ।

अवधारणात्मक साहित्यिक पद
(BAHHDSEC11)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय और पश्चिमी साहित्य की आलोचना के विशिष्ट पारिभाषिक शब्दों से परिचित करना है। इनमें से कई शब्द आलोचकों के आलेखों में अपना विशिष्ट स्थान रखने के कारण पारिभाषिक बन गए।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने-पढ़ाने की दिशा में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे –

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना सिद्धांतों के बीज शब्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों में आने वाले पारिभाषिक शब्दों के विशिष्ट अर्थबोध को विस्तार से समझा जा सकता है।
3. पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थी इन बीज शब्दों के मूल सिद्धांतों का भी सहज विश्लेषण कर पाने में समर्थ हो सकेंगे।
4. अवधारणामूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का सहज विश्लेषण कर सकेगा।

Unit 1

शब्द-शक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, अलंकार, छंद, उपमा, रूपक

Unit 2

रस और रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक

Unit 3

शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मानववाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, जादुई यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

Unit 4

विरेचन, त्रासदी, कल्पना, विम्ब, प्रतीक, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकता, निबंध, कहानी,उपन्यास

References

- **हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह**
- **पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन**
- **हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ**
- **साहित्यशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश, राजेंद्र द्विवेदी**
- **मानविकी पारिभाषिक कोश, सं. डॉ. नगेंद्र**
- **भारतीय काव्यशास्त्र , सत्यदेव चौधरी**
- **नामवर के विमर्श, सुधीश पचौरी**
- **साहित्य सिद्धान्त, रामअवध द्विवेदी**
- **एक साहित्यिक की डायरी, मुक्तिबोध**
- **काव्यांग विवेचन, बलभद्र तिवारी**
- **संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, गोपीचन्द नारंग**
- **A Dictionary of Modern Critical Terms, Roger Fowler**
- **A Glossary of Literary Terms, M.A. Abraham**

Additional Resources:

Additional Resources:

- From work to text, Ronald Barthes
- Of Grammatology, J. Derrida
- Tension in Poetry, Allen Tate
- Style and Stylistics, Grahm Hough
- The Principals of Literary Criticism, I.A. Richards

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
(BAHHDSEC02)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना
प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

रैडिकल, मार्क्सवादी, दलित स्त्रीवाद आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम (2)हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167 (3) ब्रजमोहन - क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या : 44-57 (4) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता : (1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत), (2) मलखान सिंह (सुनो ब्राह्मण), (3) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा),(4) असंगघोष (मैं दूंगा माकूल जवाब)

ख)स्त्री कविता : (1)अनामिका (स्त्रियां), (2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो),(3) कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चम्पा), (4) सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न'

4॰ श्यौराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

सहायक ग्रन्थ

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

·गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

·हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक नया और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत

अंबेडकर इन इंडिया

बहुरी नहीं आवना

नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश
(BAHHDSEC05)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी

Course Learning Outcomes

कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों से परिचित हो पाएंगे

Unit 1

कोश परिचय

अर्थ और परिभाषा

उपयोगिता और महत्व

हिंदी कोश के उपयोग के नियम (वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ, अनुस्वार इवान अनुनासिक, संयुक्त व्यंजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

शब्द संकलन एवं चयन

प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

शब्द का अर्थ और विस्तार

शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

कोश: वर्गीकरण के आधार

विषय के आधार पर(भूगोल कोश, इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश आदि)

भाषा के आधार पर (एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)

आकार के आधार पर (सामान्य और विश्वकोश)

पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

हिंदी-हिंदी शब्दकोश- वृहत हिंदी शब्दकोश, ज्ञानमंडल

अँग्रेजी-हिंदी शब्दकोश- फादर कामिल बुल्के

हिंदी-अँग्रेजी शब्दकोश- भोलानाथ तिवारी और महेंद्र चतुर्वेदी

विश्वकोश- हिंदी शब्दसागर- नागरी प्रचारिणी सभा

ई-कोश

References

कोश विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप – रामचन्द्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य-अचलानंद जखमोला

हिंदी शब्दसागर- नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग

हिंदी साहित्य कोश- धीरेंद्र वर्मा

कोश- विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग- राम आधार सिंह

कोश निर्माण: प्रविधि एवं प्रयोग- त्रिभुवन नाथ शुक्ल

Lexicography: An Introduction- HowarelJackson

भारत में कोश-निर्माण पर विशेष- गवेषणा; अंक-93; जनवरी- मार्च, 2009

नवीन कोश बनाम प्राचीन कोश- पुष्पलता तनेजा;'भाषा' हिन्दी पत्रिका में लेख

Additional Resources:

www.archive.org (hindishabdsagar)

www.britannika.com

www.e.vikipedia.org

www.encyclopedia.centre.com

www.culturepedia.com

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कोश विज्ञान से संबन्धित शब्द

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत
(BAHHDSEC03)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच के महत्वपूर्ण पक्षों का अध्ययन-विश्लेषण

नाटक-रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं का परिचय प्राप्त होगा
प्रदर्शनकारी कलाओं के साथ संवाद होगा

Course Learning Outcomes

रंगमंच की विभिन्न पद्धतियों और उनके चिंतकों से परिचय का अवसर प्राप्त होगा

नाटक-रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं के विश्लेषण का अवसर प्राप्त होगा

Unit 1

नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध, दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

Unit 2

रंगकर्म: नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म, नाटक के संदर्भ में भारतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

Unit 3

पश्चिमी नाट्यभेद- त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय),नाटक के संदर्भ में भारतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

Unit 4

प्राचीन भारतीय नाट्यरूप- रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय), आधुनिक भारतीय नाट्यरूप- एकांकी, काव्य-नाटक, रेडियो-नाटक, नुक्कड़-नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

References

रंगमंच- बलवंत गार्गी

रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक

रंगदर्शन- नेमिचन्द्र जैन

रंगमंच देखना और जानना- लक्ष्मीनारायण लाल

भरत और भारतीय नाट्यकला- सुरेन्द्रनाथ दीक्षित

नाट्यशास्त्र विश्वकोश- राधावल्लभ त्रिपाठी

रंगकर्म- वीरेंद्र नारायण

रंग-स्थापत्य- एच. वी. शर्मा

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच- सीताराम चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्दावली

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन
(BAHHDSEC09)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

भारतीय साहित्य का ज्ञान

व्यक्तित्व विकास में सहायक
अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

Unit 1

- वाल्मीकि - 'सप्तपर्णा' ; रामकाव्य का जन्म ; पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास - 'उत्तरमेघ' ; नागार्जुन की चुनी हुई रचनाएँ ; पृष्ठ 345-349 ; छंद सं. 22 से 27, 37,47 ; भगवतशरण उपाध्याय/ नागार्जुन कृत अनुवाद - गाथा सप्तशती ; डॉ. हरिराम आचार्य ; प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर;
प्रथम शतक ; श्लोक संख्या 4, 6, 33, 45, 49, 58, 77;
षष्ठ शतक; श्लोक संख्या 30, 35, 38

Unit 2

(क) नामदेव - साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ
मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना - साहित्य अकादमी
(ख) लल द्यद - भाषा, साहित्य और संस्कृति - विमलेश कांति वर्मा
कश्मीरी साहित्य का इतिहास ; पृष्ठ 30-44; शशि शेखर तोशखानी ; जे एण्ड के अकादमी ऑफ आर्ट कल्चर एंड लैंग्वेजेज़े ; नहर मार्ग, जम्मू ; प्रथम संस्करण 1985;
- मुझ पर वे चाहे हंसे...
- गुरू ने मुझसे कहा...
- हम ही थे ...
- पिया को खोजने...
- देव फिर पूजा कैसी...
- यह देवता भी पत्थर ही है...
- मैं सीधे पथ से ही आयी...

Unit 3

(क) रवींद्रनाथ टैगोर गीताजंलि के कुछ अंश साहित्य के 'रवींद्र रचना संचयन' से ; साहित्य अकादमी ; प्रकाशन वर्ष 1987; भारत तीर्थ, धूलि मंदिर ; पृष्ठ 131-135
(ख) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ ; साहित्य अकादमी ; संस्करण 1983 ; 'स्वतंत्रता का गान' पृष्ठ 46-47
(ग) वल्लतोल की कविताएँ ; साहित्य अकादमी 1959; 'क्षमा प्रार्थना' ; पृष्ठ 82, 83, 84

Unit 4

(क) उपन्यास -अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय' ; संस्करण 39 ; वर्ष 2012 ; भारतीय ज्ञानपीठ ; प्रथम खण्ड (कर्ण); पृष्ठ 19-117
(ख) जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब' ; पृष्ठ 95-107
(ग) नाटक : हयवदन ; गिरीश कर्नाड ; राधाकृष्ण प्रकाशन ; संस्करण-1977 ; पृष्ठ 17- 73
(घ) कहानी : तक्शी शिवशंकर पिल्लै - खून का रिश्ता (मलयालम कहानियाँ)
भारतीय शिखर कथा कोश, संपादक - कमलेश्वर

References

- आज का भारतीय साहित्य - प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास - तर्क तीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य कोश - डॉ. नगेन्द्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति - सं. विमलेश कांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास - सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य.का इतिहास - पी. के. परमेश्वरन नायर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास - एस. मुगली
- तमिल साहित्य का इतिहास - मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य - फिराक गोरखपुरी
- भारतीय साहित्य - दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन - गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम - संपा. सतीश कुमार रेहरा

Assessment Methods

- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
(BAHHDSEC06)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय

अखिल भारतीय साहित्य की अवधारणा और व्यावहारिकता की समझ

Course Learning Outcomes

अखिल भारतीय साहित्य की समझ विकसित होगी

एकसूत्रता मे सांस्कृतिक विविधता की समझ
प्रमुख भाषाओं का साहित्यिक इतिहास और रचनाकार

Unit 1

भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता

विविधता में एकता के अंतः सूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अन्तस्संबंध

भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार- तत्त्व

भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

Unit 2

भारतीय साहित्य का परिचय

वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य

प्राचीन तमिल साहित्य

Unit 3

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिकता-पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिंदी

Unit 4

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिक भारतीय साहित्य, भारतीय साहित्य के प्रमुख आन्दोलन - भक्ति आन्दोलन, नवजागरण एवं राष्ट्रीय आन्दोलन, स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्योत्तर भारतीय साहित्य, उत्तर आधुनिक संदर्भ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

लोकनाट्य
(BAHHDSEC07)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी

कुछ प्रमुख नाट्य कृतियों से विश्लेषण क्षमता पुष्ट होगी
लोक-भावना और भारत-बोध के बीच संवाद होगा

Course Learning Outcomes

पर्यटन, लोक-संगीत, विभिन्न नाट्य रूपों में रुचि जाग्रत होगी

लोक-भवना और भारत-बोध के बीच संवाद होगा

भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी

Unit 1

01लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और इतिहास

(प्रमुख रूपों का परिचय एवं पाठ) लोकनाट्य रामलीला, सांग, ख्याल, माछ, बिदेसिया एवं नौटंकी

Unit 2

बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

Unit 3

अंकिया – श्रीमंत शंकरदेव

Unit 4

पांडवानी – झाड़ूराम देवांगन

References

वाचिक कविता: भोजपुरी- पंडित विद्यानिवास मिश्र

महाकवि शंकरदेव: विचारक एवं समाजसुधारक – डॉ. कृष्ण नारायण प्रसाद ' मागध'

भारत के लोकनाट्य- शिवकुमार 'मधुर'

मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

परम्पराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

भारतीय लोकरंगमंच- डॉ. पूर्णचन्द्र शर्मा

नाटक और रंगमंच- डॉ. सीताराम झा 'श्याम'

भोजपुरी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति – विजय कुमार

पूर्वांचल प्रसंग-महावीर सिंह

पांडवानी महाभारत की लोकनाट्य शैली- निरंजन महावर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप से देखना

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्द

शोध-प्रविधि
(BAHHDSEC10)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता बढ़ाना

शोध के स्वरूप की जानकारी देना
शोध की आवश्यकता को समझाना
शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझाना
व्यवहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सिखाना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे
- शोध के स्वरूप की व्यावहारिक समझ बढ़ेगी
- शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझ सकेंगे
- व्यवहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सीख सकेंगे

Unit 1

शोध प्रविधि : स्वरूप और परिचय

शोध से अभिप्राय : स्वरूप और विशेषताएँ
शोध के प्रकार
हिन्दी में शोध: दशा और दिशा

Unit 2

- शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना
- शोध में सत्य और तथ्य
- शोध और आलोचना
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ : तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, अंतर-अनुशासनात्मक

Unit 3

शोध में विषय चयन

शोध और तथ्य विश्लेषण
शोध और निष्कर्ष
शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण प्रक्रिया

Unit 4

शोध सम्बन्धी समस्याएँ

एक अच्छे शोधार्थी के गुण
शोध के साधन और उपकरण
संदर्भ सूची निर्माण की प्रक्रिया

Practical

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत

15 अंक : एक शोध-सर्वे और मौलिक निष्कर्ष प्रस्तुति के लिए निर्धारित किए जाएँ|
10 अंक : सैद्धांतिक जानकारी हेतु टेस्ट का प्रावधान

References

- W. Lawrence Neuman, Social Research Methods: Qualitative and Quantitative Approaches, University of Wisconsin, Whitewater2011 Pearson
- विनय मोहन शर्मा - शोध प्रविधि
- सावित्री सिन्हा - अनुसंधान का स्वरूप
- सावित्री सिन्हा/ विजयेंद्र स्नातक - अनुसंधान की प्रक्रिया
- भ. ह. राजूरकर/ राजमल बोरा - हिंदी अनुसंधान का स्वरूप
- बैजनाथ सिंहल - शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि

Additional Resources:

C. R. Kothari (2004), *Research methodology methods & techniques,* New Delhi: New Age International (P)

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) सामूहिक परिचर्चा

3) परियोजना कार्य

Assessment Methods

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

परीक्षा : 75 अंक

हिंदी की भाषिक विविधताएँ
(BAHHDSEC08)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विभिन्न भाषाई रूपों मे साहित्य की समझ

बोलियों और हिन्दी के विविध रूपों की समझ
साहित्यिकता और भाषाई संस्कृति की समझ

Course Learning Outcomes

प्रमुख रचनाकारों और प्रस्तुतियों से लाभान्वित होना

विश्लेषण क्षमता
भाषाई रूपण में साहित्यिकता की समझ विकसित करना
पर्यटन, नृत्य-संगीत आदि में रूचि का अवसर

Unit 1

(क) वाचिक हिंदी के क्षेत्रीय रूप - बिहारी , बम्बइया, दक्षिण भारतीय, हरियाणवी, पंजाबी, हिंगलिश

सिनेमा, साहित्य और मीडिया, नए मीडिया में हिंदी की विविध छवियाँ

(ख) साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी की विविधता - कबीर , अमीर खुसरो , बुल्ले शाह, गद्य और आधुनिक साहित्यिक हिंदी

Unit 2

(क) कबीर - हमन हैं इश्क मस्ताना, अमीर खुसरो की मुकरियां

(ख) वली दकनी - किया मुझ इश्क ने जालिम कूं आब आहिस्ता- अहिस्ता
कि आतिश गुल कूं करती है गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

वफ़ादारी ने दिलबर की बुझाया आतिश-ए-गम कूं
कि गर्मी दफ़ा करता है, गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

अजब कुछ लुरु रखता है शब्-ए-खल्वित में गुलरू सूँ,
ख़िताब अहिस्ता - अहिस्ता, जवाब आहिस्ता - आहिस्ता

मेरे दिल कूँ किया बेखुद तेरी अंखियों ने आखरि कूँ,
कि ज्यूँ बेहोश करती है शराब आहिस्ता - आहिस्ता

हुआ तुझ सूँ ऐ आतिशी रू दिल मीरा पानी,
कि ज्यूँ गलता है आतिश सूँ गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

अदा-ओ-नाज सूँ आता है वो रौशन जबीं घर सूँ ,
कि ज्यूँ माश्रिक सूँ निकले आफताब आहिस्ता- आहिस्ता

'वली' मुझ दिल में आता है खयाल-ए-यार-ए-बेपरवाह,
कि ज्यूँ अंखियां में आता है ख्वाब आहिस्ता - आहिस्ता

Unit 3

(क) बनारसीदास और अर्द्धकथानक

(ख) ग़ालिब की शायरी

Unit 4

(क) इंशा अंशा अला खां - रानी केतकी की कहानी

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु - पंचलैट

References

हिंदी भाषा - किशोरीदास बाजपेयी

उर्दू का आरंभिक युग - शम्सुर्रहमान फारुकी

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

उर्दू भाषा और साहित्य - फ़िराक गोरखपुरी

राही मासूम रजा ---सिनेमा और संस्कृति

जानकी प्रसाद शर्मा - उर्दू साहित्य की परम्परा

भाषाई अस्मिता और हिंदी - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वाचन, प्रस्तुति देखना

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्द

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा
(BAHHDSEC01)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी की मौखिक साहित्य की परंपरा से अवगत हो सकेंगे

लोक साहित्य परंपरा के अध्ययन से भारतीय लोक-जीवन को करीब से जानने का अवसर प्राप्त होगा

Course Learning Outcomes

भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा

पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य की ओर रुचि का अवसर प्राप्त होगा

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप- लोक-गीत, लोक-कथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ , बुझौवल और मुहावरे, हिन्दी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय), मौखिक साहित्य और समाज।

Unit 2

लोकगीत- वाचिक और मुद्रित

संस्कार-गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी: संस्कार गीत – श्री हंस कुमार तिवारी – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पृष्ठ -8, गीत संख्या-04

सोहर अवधी– हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय- पृष्ठ- 110, 111 (साहित्य भवन,इलाहाबाद)

यज्ञोपवीत- भारतीय लोक-साहित्य; परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा, पृष्ठ-88-89

विवाह – भोजपुरी- भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ- 116

ऋतुसंबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

पाठ: हिन्दी प्रदेश के लोकगीत: कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ-205

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य: शंकर लाल यादव, पृष्ठ-231

वाचिक कविता: भोजपुरी : पंडित विद्यानिवास मिश्र, पृष्ठ-51

श्रम संबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत- हिंदी प्रदेश के लोकगीत :कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ-134-135

जंतसारी: भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ- 140-141

विविध गीत : घुघुति- कुमाउनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत: पंडित रामनरेश त्रिपाठी,पृष्ठ- 802-803

Unit 3

लोककथाएँ इवान लोकगाथाएँ विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाओं इवान लोकगाथाओं आल्हा, लोरिक, सारंगा-सदावृक्ष, बिहुला

राजस्थानी लोक कथा नं. 2 , हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11

सोलहवां भाग

मालवी लोककथाएँ नं. 2 हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

अवधी लोककथा नं. 2 हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

Unit 4

लोकनाट्य: विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला; रासलीला मालवा का नाच,राजस्थान का ख़्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी,भांड, रासलीला, बिहार-बिदेसिया, हरियाणा सांग **(क)** पाठ: संक्षिप्त पद्मावत सांग रागिनी संख्या 1,3,6,7,8, 13,14, 17,18, 19, 28, 34, 37, 38, 43, 58, 60, 67 (लखमीचन्द ग्रंथावली, सं. प्रो. पूरंचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी)

(ख)बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत- कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य- शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल- देवेंद्र सत्यार्थी

मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन – श्याम परमार

रसमंजरी – सुचिता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान,मारीसस

हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग

वाचिक कविता : भोजपुरी , पंडित विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोकसाहित्य: परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी : ग्रामगीत- पंडित रामनरेश त्रिपाठी

लखमीचंद का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु

सूत्रधार – संजीव

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

चीनी लोककथाएँ – अनिल राय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्द

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
(BAHHDSEC04)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा के समुचित ज्ञान के लिए व्याकरण का सही ज्ञान होना अत्यंत अनिवार्य है । ध्वनि, शब्द, पद, वाक्यांश का न केवल ज्ञान होना चाहिए वरन किसी भी भाषा को एकरूप बनाने में व्याकरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । व्याकरण भाषा को विश्रृंखल होने से रोकता है । वर्तमान समय हिंदी भाषा के वैश्वीकृत होते रूप को सुदृढ़ करने हेतु व्याकरण को व्यावहारिक बनाना भी अनिवार्य हो गया है । यह पाठ्यक्रम व्याकरण के सैद्धांतिक रूप के साथ - साथ व्यावहारिक शिक्षा पर बल देता है । व्यावहारिक व्याकरण का उद्देश्य न केवल भाषा का शुद्ध प्रयोग करना सिखाना है वरन अभ्यास के माध्यम से उसे प्रयोग में भी ठीक प्रकार से लाना है ।

व्यावहारिक व्याकरण के निम्नलिखित उद्देश्य है :-

1) विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित करना ।

2) हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना ।

3) भाषा के मानक रूप को स्थायित्व देने पर बल देना ।

4) भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान होना ।

5) ध्वनि, वर्ण, शब्द, पद, वाक्य एवं व्याकरण के अन्य नियमों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes

'हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण' पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे –

1) हिंदी भाषा वर्तमान समय में तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । अतः हिंदी के स्वरुप को आधार रूप से ही सुगठित बनाने की प्रक्रिया पर बल देना चाहिए । यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा को आधार रूप से व्यवस्थित करेगा ।

2) यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषागत रूप को शुद्ध करने का पूर्ण प्रयास करता है ।

3) विद्यार्थियों में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

4) हिंदी भाषा के व्याकरणिक रूप को स्थिर किया जा सकेगा ।

5) भाषा का अनुशासनबद्ध होना अत्यंत आवश्यक है । व्यावहारिक व्याकरण अपने सैद्धांतिक रूप के साथ- साथ इसके प्रयोग रूप को भी मान्यता प्रदान करता है ।

6) मौखिक अभिव्यक्ति के मानक, अमानक रूपों को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जाना जा सकता है ।

7) हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग करने में यह पाठ्यक्रम सक्षम है ।

Unit 1

इकाई -1 भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा, महत्व और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि और वर्ण
- हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएं)

Unit 2

इकाई -2 शब्द- विचार

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियां (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) केवल परिभाषा एवं भेद
- शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द-निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

Unit 3

इकाई -3 पद - विचार

- पद का स्वरुप
- शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अव्यय)

Unit 4

इकाई -4 वाक्य - विचार

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)
- वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम- चिह्न)
- वाक्यगत अशुद्धियां

References

1) हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा

2) भारतीय पुरालिपि - डॉ. राजबलि पाण्डेय

3) हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

4) हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक - डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल

5) लिपि की कहानी - गुणाकर मुले

6) भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

7) हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

Additional Resources:

1) हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

2) हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु

3) हिंदी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी

4) हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी

5) Hindi Linguistic - R.N.Shrivastava

6) A Grammer of the Hindi Language-Kellog

Teaching Learning Process

'हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण' पाठ्यक्रम को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु सिद्धांत के अतिरिक्त 'प्रयोग' पर अधिक बल देना चाहिए । उदाहरणों को समझाने हेतु चित्रों का प्रयोग किया जा सकता है एवं पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य –श्रव्य माध्यम इत्यादि द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

Week 1 & 2 :- (इकाई -1 भाषा और व्याकरण) • भाषा की परिभाषा और विशेषताएं •व्याकरण की परिभाषा, महत्व और व्याकरण का अंत:संबंध

Week 3 & 4 :- • ध्वनि और वर्ण • हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएं)

Week 5 & 6 :- (इकाई -2 शब्द- विचार)• शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)• शब्दों की व्याकरणिक कोटि (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) केवल परिभाषा एवं भेद

Week 7 & 8 :- • शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियाँ • शब्द-निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

Week 9 & 10 :- (इकाई -3 पद – विचार) • पद का स्वरुप • शब्द और पद में अंतर

Week 11 & 12 :- • विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया) • अविकारी शब्द (अव्यय)

Week 13 & 14 :- (इकाई -4वाक्य – विचार)• वाक्य की परिभाषा और उसके अंग • वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)

Week 15 & 16 :- • वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम- चिह्न) • वाक्यगत अशुद्धियां

Assessment Methods

1) हिंदी भाषा और व्यावहारिक व्याकरण से सम्बंधित परियोजना कार्य तैयार करवाना ।

2) व्याकरण का मूल उद्देश्य है – शुद्ध भाषा के प्रयोग पर बल देना । अत: व्याकरणिक सिद्धांतों के साथ साथ उदाहरणों पर अधिक बल देना होगा

3) सूत्र विधि के साथ व्यावहारिक व्याकरण पाठ्यक्रम को सरस और रुचिकर बनाया जा सकता है ।

4) व्याकरणिक शिक्षा के समय उदहारण से नियम फिर नियम से उदहारण की ओर जाने की प्रक्रिया व्यावहारिक शिक्षण को सुगम बना सकती है

5) व्याकरणिक संबंधी अशुद्धियों पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए और विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में निर्धारित से लेकर वाक्य तक की इकाई पर सतत् अभ्यास की प्रक्रिया पर जोर देना सीखना होगा ।

6)विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन

Keywords

भाषा', 'व्याकरण', 'ध्वनि', 'वर्ण', 'स्वर', 'व्यंजन', 'मात्रा', 'शब्द', 'संज्ञा', 'सर्वनाम', 'विशेषण', 'क्रिया' 'उपसर्ग', 'प्रत्यय', 'संधि', 'समास', 'पद', 'विकारी' 'शब्द', 'अविकारी शब्द', 'अव्यय', 'वाक्य', 'वाक्य संरचना', 'पदक्रम' 'अन्विति', 'विराम चिह्न', 'वाक्यगत अशुद्धियां' ।

हिंदी रंगमंच
(BAHHDSEC12)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे
पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी
भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

(क) पारंपरिक रंगमंच

रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, नाचा, अंकिया, भाओना(मुखौटा कला)का सामान्य परिचय

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परंपरा और आधुनिक रंगमंच

Unit 2

हिंदी रंगमंच की विकास यात्रा

(क)हिन्दी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, पूर्वोत्तर भारत का रंगमंच

(ख) रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली;

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ ।

Unit 3

आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक शैली

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : श्रीमंत शंकरदेव, झाड़ूराम देवांगन, राधेश्याम कथावाचक, श्यामानंद जालान, सत्यादेव दुबे, भिखारी ठाकुर, आचार्य जनार्दनदेव गोस्वामी, हेमचन्द्र गोस्वामी।

References

परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

मेरा नाटक काल- राधेश्याम कथावाचक

भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात

पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेन्दु- भगवत प्रसाद द्विवेदी

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादम

नाटक और रंगमंच – सीताराम झा 'श्याम'

लोहित के मानसपुत्र : शंकरदेव – सांवरमल सांगानेरिया

अंकिया नाट- विरंचिकुमार बरुआ (सं)

असमिया साहित्य चानेकी – हेमचन्द्र गोस्वामी

पांडवानी महाभारत की एक लोकनाट्य शैली – निरंजन महावर

छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा- महावीर अग्रवाल

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

Keywords

रंगमंच संबंधी शब्दावली

अनुवाद-कौशल
(BAHHSEC04)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

अनुवाद का स्वरूप, महत्व और प्रकार

भारत का भाषायी परिदृश्य

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएं, अनुवाद- संबंधी संस्थाएं और उनके कार्य, अनुवाद कार्य में प्राकाशनाधिकार

Unit 2

अनुवाद की सामग्री; विभिन्न प्रयुक्तियाँ

अनुवाद प्रक्रिया

अनुवाद के उपकरण

Unit 3

अभ्यास 01 (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अभ्यास- 02 (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)

जनसंचार

प्रशासनिक अनुवाद

बैंकिंग अनुवाद

विधि अनुवाद

References

अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त- कैटफोर्ड, जे. सी. सिद्धान्त (अनुवादक : डॉ. रविशंकर दीक्षित)

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकसमी, भोपाल

अनुवाद के सिद्धांत – रेड्डी आर. आर ; (अनुवाद: डॉ. जे. एल. रेड्डी)

साहित्य अकादमी, मंडी हाउस, नई दिल्ली

अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : गोपीनाथन जी. , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. नगेंद्र

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा- सुरेश कुमार ; वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्द

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा
(BAHHSEC02)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत अवश्यक है । पूरी दुनिया ने वैश्वीकर युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा । क्यों सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

- विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
- हिंदी के विभिन्न फॉन्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा ।
- हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइट्स का प्रयोग कर सकेगा ।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।

- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं को जान पाएगा।
- ई-गवर्नेंस, ई-लर्निंग, एस.एम.एस.(SMS) की हिंदी का प्रयोग कर पाएगा।
- हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो जाएगा।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।
- छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।

Unit 1

इकाई-1 कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

- कंप्यूटर का परिचय और विकास के विभिन्न चरण
- कंप्यूटर में हिंदी आरम्भ
- कंप्यूटर में हिंदी के विविध फॉण्ट
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

इकाई-2 हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इन्टरनेट पर हिंदी एवं इंटरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
- हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग
- हिंदी की विभिन्न वेबसाइट

Unit 3

इकाई-3 हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

- राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका
- ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग
- कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी शिक्षण और ई-लर्निंग
- सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा

Unit 4

इकाई- 4 हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ
- एस. एम .एस .की हिंदी
- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी के विभिन्न की बोर्ड

References

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर - संतोष गोयल
5. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत - पी. के. शर्मा
6. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी
7. जनसंचार और मास कल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी

Additional Resources:

1. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज - संपा. संजय द्विवेदी
2. नए ज़माने की पत्रकारिता - सौरभ शुक्ला
3. पत्रकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार
4. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ - जबरीमल्ल पारिख

Teaching Learning Process

सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपूर्णता प्राप्त कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

Week 1 & 2 :- (इकाई-1 कम्प्यूटर का विकास और हिंदी) • कंप्यूटर का परिचय और विकास के विभिन्न चरण • कंप्यूटर में हिंदी आरम्भ

Week 3 & 4 :- • कंप्यूटर में हिंदी के विविध फॉण्ट • कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Week 5 & 6 :-(इकाई-2 हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी)• इन्टरनेट पर हिंदी एवं इंटरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी• यूनिकोड ,देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

Week 7 & 8 :- ● हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग ● हिंदी की विभिन्न वेबसाइट

Week 9 & 10 :- (इकाई-3 हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस) • राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका • ई-गवर्नेंस में हिं का प्रयोग

Week 11 & 12 :- • कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी शिक्षण और ई-लर्निंग • सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में प्रयोग होने वाली हिंदी भाष

Week 13 & 14 :- (इकाई 4 हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष) • इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ• एस.एम.एस. की हिंदी

week 15 & 16 :- • न्यू मीडिया और हिंदी भाषा • हिंदी के विभिन्न की बोर्ड

Assessment Methods

1) हिंदी भाषा और कंप्यूटर आधारित परियोजना कार्य ।

2) कंप्यूटर के विकास की ऐतिहासिक परम्परा और हिंदी का विश्लेषण ।

3) कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फ़ॉन्ट्स का व्यावहारिक ज्ञान देना ।

4) दृश्य – श्रव्य माध्यमों के प्रभावी रूप द्वारा शिक्षण

5) कक्षा में मौखिक और लिखित परीक्षा

Keywords

'प्रौद्योगिकी', 'इंटरनेट','फॉन्ट', 'ई-लर्निंग', 'एस.एम.एस', 'की-बोर्ड', 'देवनागरी', 'वेबसाइट्स','वेब डिज़ाइनिंग', 'ई-गवर्नेंस', 'राजभाषा', 'न्यू मीडि

कार्यालयी हिंदी
(BAHHSEC05)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र लेखन का ज्ञान कराना
कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र हिन्दी से अंग्रेजी तथा अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराना
कार्यालयी मसौदे और पत्राचार का औपचारिक ज्ञान

Course Learning Outcomes

विभिन्न सरकारी, अर्द्ध सरकारी, निजी संस्थानों कार्यालय सहायक की नौकरी

हिंदी अनुवादक की नौकरी
वैश्विक स्तर पर हिंदी के तकनीकी दक्ष लोगों की माँग की आपूर्ति में सहायक

Unit 1

कार्यालयी हिन्दी

- कार्यालयी हिन्दी : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- समान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी में सम्बन्ध और अंतर
- कार्यालयी हिन्दी : स्थिति और सम्भावनाएँ
- कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : राजकीय, सरकारी, अर्ध-सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम, अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले सम्बोधन और निर्देश
- औपचारिक पदावली/अभिव्यक्तियाँ

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार

- पत्राचार के विविध रूप : सामान्य परिचय
- पत्र
- ज्ञापन
- परिपत्र
- अशासनिक पत्र
- अनुस्मारक
- पृष्ठांकन(एंडोर्समेंट)
- अधिसूचना
- निविदा

- संकल्प(रेजोल्यूशन)
- प्रेस विज्ञप्ति
- घोषणा(प्रोक्लेमेशन)
- आवेदन

Unit 4

टिप्पण, प्रारूपण,संक्षेपण, प्रतिवेदन, अनुवाद अभ्यास

- प्रारूपण: तत्व,प्रक्रिया, लेखन विधि
- टिप्पण: प्रकार, लेखन विधि
- संक्षेपण: तत्व,प्रकार, लेखन विधि
- प्रतिवेदन: तत्व, लेखन विधि
- अनुवाद अभ्यास (हिन्दी-अंग्रेजी)

References

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, लेखक - डॉ. दंगल झाल्टे

2. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय

4. प्रारूपण, शासकीय प्रचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी

6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम, लेखक : डॉ. महेंद्रसिंह राणा

Additional Resources:

अतिरिक्त स्रोत : नेट

http://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/saralshabdavali.pdf

---

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Assessment Methods

प्रोजेक्ट के रूप में

कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र का हिन्दी से अंग्रेजी तथा अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराया जाए ।
कार्यालयी पत्राचार का औपचारिक अभ्यास कराया जाए ।

Keywords

कार्यालयी हिंदी, राजकीय, निजी, अनुवाद, पत्र-लेखन, प्रारूपण, संक्षेपण, टिप्पण, हिंदी - तकनीकी दक्ष आदि ।

भाषा और समाज
(BAHHSEC07)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध स्पष्ट करते हुए भाषा और समाज के विविध पहलुओं को जानना | भाषा व्यवस्था और उसके विविध रूपों से अवगत होना तथा भाषा के समाजशास्त्र के विविध रूपों का अध्ययन करना ताकि समाज में आ रहे बदलावों को समझा जा सके |

Course Learning Outcomes

भाषा और समुदाय को बदलते भारतीय परिवेश में जानना | भाषा और जातीयता के विविध रूपों का विश्लेषण करना, द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विविध प्रारूपों से अवगत होना तथा उनका सन्दर्भगत विवेचन | भाषा और संस्कृति के मूल बिन्दुओं की गहन जानकारी प्राप्त करना | भाषा सर्वेक्षण, उनके विविध रूप तथा भाषा नमूनों का विश्लेषण करना तथा भाषा के नवीन प्रयोग का अध्ययन करना |

Unit 1

इकाई -1

भाषा, समाज और संस्कृति

भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध

भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

भाषा समाज विज्ञान और उसके विविध स्वरुप

भाषा का समाजशास्त्र

Unit 2

इकाई -2

भाषायी विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा, परिवेश और जाति

भाषा और जातीयता

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन और क्रियोल)

Unit 3

इकाई -3

भाषा और सामाजिक व्यवहार

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषायी अस्मिता और जेंडर

भाषा और संस्कृति

Unit 4

इकाई -4

भाषा सर्वेक्षण

भाषा सर्वेक्षण स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

भाषा नमूनों का विश्लेषण

भाषा के नवीन प्रयोग

भाषाई दक्षता : समझ और संभाषण
(BAHHSEC06)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषा का न केवल ज्ञान रखना , प्रत्युत उसमें दक्षता एवं निपुणता प्राप्त करना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है । इसमें पारंगत होने के लिए जहां एक ओर इसके साहित्य का अवगाहन आवश्यक है ,वहां इसके परिमार्जित और परिष्कृत रूप से परिचित होना तथा उसे व्यव्हृत करना भी जरूरी है । हिन्दी उच्च माध्यम की भाषा है । देश की राजभाषा , राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क की भाषा है । व्यावसायिकता के इस युग में जहां भाषा के रोज़गारमूल आयाम देश-विदेश में प्रशस्त हो उठे हैं तो आज जरूरत है उसकी क्षमता को , उसकी शक्ति को , उसके बहुमुखी आयामों को जानें और पहचानें । भ – दक्षता : समझ और संभाषण पाठ्यक्रम इसी उद्धेश्य की पूर्ति की दिशा में एक कदम है । जो कि सराहनीय है ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ ने पढ़ाने की दिशा मे निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे ।

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषा -दक्षता: समझ और संभाषण से संबंधित अनेकों पहलुओं से अवगत करवाया जाऐगा ।

2 भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण के अनेकों आयामों , उसके महत्व , प्रयोग विस्तार , शैली , भाषिक संस्कृति की समझ विकसित हो सकेगी ।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखक , रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।

4 व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ-साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे ।

5 भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण , उसके पल्लवन , पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत कर आशा करते हैं कि स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषाई दक्षता के हर पहलू से परिचित हो सकेंगें । हिन्दी भाषा को समझने , उसके शुद्ध रूप ,तकनीकी रूप और ज्ञानवृद्धि के साथ भाषा में दक्षता प्राप्त कर सकेंगें ।

Unit 1

इकाई -1 : भाषायी दक्षता के आयाम

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

Unit 2

इकाई – 2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्व

- भाषिक सरंचना की समझ

- भाषा व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषिक संस्कृति (आयु , लिंग , शिक्षा , वर्ग)
- विषय क्षेत्र

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन , लक्ष्य – निर्धारण , नियोजन के स्तर पर
- शब्द- सामर्थ्य – सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना प्रभावी श्रवण के आयाम , शुद्ध उच्चारण , भाषण, एकालाप , वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य – केंद्रित पठन , सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण ,समूह चर्चा , वार्तालाप या टिप्पणी
- किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लवन
- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा- पुस्तक-समीक्षा ,फिल्म-समीक्षा

Practical

आज आवश्यकता है भाषा की क्षमता को , उसकी शक्ति को , उसके बहुमुखी आयामों को पहचानें और नई प्रयोगमूलक , व्यवहारमूलक, प्रशासनमूलक तथा रोज़गारमूलक दृष्टि को विकसित करें । हिन्दी को केवल साहित्य का विषय बनाकर न देखें बल्कि व्यवसायिक दृष्टि से इसके महत्व को भी जानें । बच्चों को भाषा दक्षता : समझ और संभाषण पाठ्यक्रम के अंतर्गत परियोजना कार्य दिया जा सकता है -

1 शैक्षिक भ्रमण

2 व्यावसायिक संबंधित क्षेत्रों की भाषा में परियोजना कार्य दिया जा सकता है जैसे – बैंकिंग की भाषा , इंजीनियरिंग की भाषा, मेडिकल की भाषा, खेलकूद की भाषा आदि कितने ही ऐसे क्षेत्र हैं ।

References

- कम्प्यूटर एसिस्टेड लैंग्वेज लर्निंग , मीडिया डिज़ाइन एंड एप्लीकेशंस – कीथ कैमेरॉन
- भाषा शिक्षण- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनात्मक साहित्य - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिंदी - दिलीप सिंह
- प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे

- आधुनिक पत्रकारिता- डॉ. अनुज तिवारी
- व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग- डॉ. ओम प्रकाश
- जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जबरीमल्ल पारिख
- जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

इकाई -1 : भाषायी दक्षता के आयाम

• भाषायी दक्षता से तात्पर्य

• भाषायी दक्षता का महत्व

• श्रवण और वाचन

• पठन और लेखन

सप्ताह 5 से 8 के बीच

इकाई -2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्व

• भाषिक सरंचना की समझ

• भाषा व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)

• भाषिक संस्कृति (आयु , लिंग , शिक्षा , वर्ग)

• विषय क्षेत्र

सप्ताह 9 से 12 के बीच

इकाई-3 : भाषायी दक्षता का विकास

• भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन , लक्ष्य – निर्धारण , नियोजन के स्तर पर

• शब्द- सामर्थ्य – सामान्य एवं तकनीकी शब्द

• सुनना और बोलना प्रभावी श्रवण के आयाम , शुद्ध उच्चारण , भाषण, एकालाप , वार्तालाप

• पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य – केंद्रित पठन , सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

सप्ताह 13 से 16 के बीच

इकाई- 4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

• किसी एक विषय पर – भाषण ,समूह चर्चा , वार्तालाप या टिप्पणी

• किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लवन

• द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित

• समीक्षा- पुस्तक-समीक्षा ,फिल्म-समीक्षा

Assessment Methods

भाषायी दक्षता :समझ और संभाषण नामक पाठ्यक्रम के प्रशन – पत्र का प्रारूप इस प्रकार होगा –

1 प्रशन –पत्र 75 अंकों का होगा ।

2 आंतरिक मूल्यांकन 25 अंकों का होगा ।

3 प्रशन- पत्र पांच भागों में विभाजित होगा ।

4 पहले चार भागों से चार बड़े प्रशन पूछे जाएंगे । जो 15, 15 अंकों के होंगे ।

5 पांचवा प्रशन टिप्पणी के रूप में होगा । जिसमें से दो प्रशन करने होंगे । जो 7, 8 अंकों के होंगें ।

Keywords

भाषायी दक्षता , भाषिक सरंचना , शैली , आकलन , द्रुतवाचन , स्वाध्याय , वार्तालाप, टिप्पणी , विषय का भाव-विस्तार , पल्लवन , समीक्षा पाठ्यक्रम से संबंधित इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को बताया और समझाया जाएगा ।

विज्ञापन और हिंदी भाषा
(BAHHSEC01)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

बाज़ार, विज्ञापन और वाणिज्य की जानकारी

हिन्दी में विज्ञापन निर्माण, प्रसार और प्रभाव का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन -विश्लेषण का अवसर मिलेगा

निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना

इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता ।

Unit 1

विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

विज्ञापन : अर्थ और परिभाषा

विज्ञापन का महत्व

विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण

विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

Unit 2

विज्ञापन: विविध माध्यम

सामान्य परिचय

विज्ञापन माध्यम का चयन

प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन

Unit 3

विज्ञापन की भाषा

विज्ञापन की भाषा का स्वरूप

विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ

विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावड़े-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर

हिंदी विज्ञापनों की भाषा

Unit 4

विज्ञापन निर्माण का अभ्यास

प्रिंट माध्यम: वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन निर्माण

रेडियो जिंगल लेखन

टेलीविज़न के लिए स्टोरी बोर्ड का निर्माण

References

जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ

जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य: सुधीश पचौरी

डिजिटल युग में विज्ञापन- सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

ब्रेक के बाद- सुधीश पचौरी

मीडिया की भाषा- वसुधा गाडगिल

विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा

विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी

संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौन्दर्य-बोध – कृष्ण कुमार रत्तू

Additional Resources:

www.adbrands.net

www.afaqs.com

www.adgully.com

www.cnbc.com

www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, विज्ञापनों के लिए जनसंचार माध्यमों का प्रयोग

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्द

सोशल मीडिया
(BAHHSEC03)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

सोशल मीडिया का विकास के साथ - साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी

सोशल मीडिया की आचार-संहिता

सोशल मीडिया के विभिन्न प्रभाव

Course Learning Outcomes

बाज़ार, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी

Unit 1

सोशल मीडिया : अवधारणा

सोशल मीडिया का स्वरूप और प्रकार

सोशल मीडिया का विकास

सोशल मीडिया, भाषा, समाज और संस्कृति

सोशल मीडिया की आचार-संहिता

सोशल मीडिया का प्रभाव

Unit 2

सोशल मीडिया और लोकतंत्र

जनभागीदारी, जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया

जनांदोलन और सोशल मीडिया

जनसंपर्क, जनमत-निर्माण और सोशल मीडिया

सोशल मीडिया और गवर्नेंस

Unit 3

सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य

ब्रांड- मेकिंग और ब्रांड बाज़ार

बाजार और बाजार की रणनीति उपभोक्ता जागरूकता

व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा

Unit 4

सोशल मीडिया : विविध पक्ष

सोशल मीडिया और स्त्री

सोशल मीडिया और युवा वर्ग

सोशल मीडिया और बालमन

आपातकाल में सोशल मीडिया

References

सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद- सं. संजय द्विवेदी

मीडिया भूमंडलीकरण और समाज- सं. संजय द्विवेदी

सोशल मीडिया और स्त्री – रमा

वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी

क्लास रिपोर्टर – जयप्रकाश त्रिपाठी

सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया – माधव हाड़ा

नए जमाने की पत्रकारिता- सौरभ शुक्ला

पत्रकारिता से मीडिया तक-मनोज कुमार

कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

पटकथा तथा संवाद लेखन
(BAHHGEC04)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1.विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझाना ।

2.विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना ।

Course Learning Outcomes

1.पटकथा क्या है समझेंगे ।

2.पटकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे ।

3 कहानी , उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पटकथा में रूपांन्तरित करना सिखेंगे ।

4. भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे ।

Unit 1

पटकथा अवधारणा और स्वरूप

Unit 2

फीचर फिल्म, टी.वी धारावाहिक, कहानी,एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

Unit 3

संवाद सैद्धांतिकी और संरचना

Unit 4

फीचर फिल्म, टी.वी धारावाहिक, कहानी,एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद- लेखन

References

सहायक ग्रंथ
पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी
कथा-पटकथा-मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन - असग़र वजाहत ,प्रभात रंजन

Teaching Learning Process

1. कक्षाओं में पठन - पाठन की पद्धति

2. कक्षा में प्रस्तुतियां
3.व्यवहारिक कार्य और परिचर्चा1. कक्षाओं में पठन - पाठन की पद्धति
2. कक्षा में प्रस्तुतियां
3.व्यवहारिक कार्य और परिचर्चा

Assessment Methods

किन्हीं दो को चुने

1. किसी एक लघु कहानी का पटकथा में रूपांतरण
2.रेडियो या टेलीविजन के कार्यक्रम के लिए 10मिनट की पटकथा लिखना
3, समसामयिक विषय पर 10मिनट की डॉक्यूमेंट्री या सिनेमा पटकथा तैयार करना
4. किसी नाटक/ सिनेमा/ धारावाहिक के संवाद का अध्ययन और समीक्षा

Keywords

सिनेमा, टीवी और पटकथा से जुड़ी शब्दावली

भाषा और समाज
(BAHHGEC06)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भाषा और समाज के अंतरसंबंध की जानकारी

समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
सफल सम्प्रेषण के लिए बहतर समझ

Course Learning Outcomes

समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन

सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1

भाषा, समाज और संस्कृति

भाषा और समाज का अंतर्संबंध

भाषा- व्यवस्था और भाषा-व्यवहार

समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप

भाषा का समाजशास्त्र

Unit 2

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा और जाति

भाषा और जातीयता

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन व क्रियोल)

Unit 3

भाषा और सामाजिक व्यवहार

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषाई अस्मिता और जेंडर

भाषा और संस्कृति

Unit 4

भाषा सर्वेक्षण

भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

भाषा नमूनों का विश्लेषण

भाषा का नवीन प्रयोग

References

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पांडेय

Socio Linguistics: An Introduction to Language and Society -- Peter Trudgill

Socio Linguistics – R.A Hudson

An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh

The Shadow of Language – George Yule

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषा शिक्षण
(BAHHGEC08)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- **विद्यार्थी को भाषा शिक्षण की अवधारणा, महत्व, राष्ट्रीय, सामाजिक और शैक्षिक संदर्भों से परिचित कराना।**
- **भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं का ज्ञान देना।**
- **हिन्दी शिक्षण के अंतर्गत विभिन्न भाषाई कौशलों का परिचय देना।**
- **भाषा परीक्षण की विभिन्न विधियों और पद्धतियों की जानकारी देना।**

Course Learning Outcomes

विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भों को जान सकेंगे।

विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- **भाषा शिक्षणः अभिप्राय और उद्देश्य**
- **भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ**
- **शिक्षण और प्रशिक्षण**

- **अर्जन और अधिगम**

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

- **प्रथम भाषा,मातृ भाषा तथा अन्य भाषा(द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना**
- **मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य**
- **मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण**
- **सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण**

Unit 3

हिन्दी शिक्षण

- **भाषा कौशल- सुनना,बोलना,पढ़ना-लिखना**
- **हिन्दी का मातृ भाषा के रूप में शिक्षण**
- **द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण**
- **विदेशों में हिन्दी भाषा शिक्षण**

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- **भाषा परीक्षण की संकल्पना**
- **भाषा मूल्यांकन की संकल्पना**
- **भाषा परीक्षण के विविध प्रकार**
- **मूल्यांकन के प्रकार**

Practical

विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर हिन्दी शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।

यदि संभव हो सके तो आस-पास के स्कूलों में हिन्दी भाषा तथा विदेशी भाषा संबंधी कक्षाओं में शिक्षण कार्य करना।

References

भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह

भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा

हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Additional Resources:

हिन्दी शिक्षणः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य-संपादक सतीश कुमार रोहरा, सूरजभान सिंह

अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान- संपादक रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,भोलानाथ तिवारी,कृष्ण कुमार गोस्वामी

भाषा शिक्षण-लक्ष्मी नारायण शर्मा

हिन्दी शिक्षण-सावित्री सिंह

Focus Group On Teaching Of Indian Languages- NCERT, 2005

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

इकाई -1 :

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- **भाषा शिक्षणः अभिप्राय और उद्देश्य**

- **भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ**
- **शिक्षण और प्रशिक्षण**
- **अर्जन और अधिगम**
- **सप्ताह 5 से 8 के बीच**
- **इकाई -2 :**

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

- **प्रथम भाषा,मातृ भाषा तथा अन्य भाषा(द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना**
- **मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य**
- **मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण**
- **सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण**
- **सप्ताह 9 से 12 के बीच**

इकाई-3 :

हिन्दी शिक्षण

- **भाषा कौशल- सुनना,बोलना,पढ़ना-लिखना**
- **हिन्दी का मातृ भाषा के रूप में शिक्षण**
- **द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण**
- **विदेशों में हिन्दी भाषा शिक्षण**
- **सप्ताह 13 से 16 के बीच**

इकाई- 4 :

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- **भाषा परीक्षण की संकल्पना**
- **भाषा मूल्यांकन की संकल्पना**
- **भाषा परीक्षण के विविध प्रकार**
- **मूल्यांकन के प्रकार**

Assessment Methods

परीक्षा में चारों इकाइयों से 15-15 अंकों के चार प्रश्न विकल्प सहित होंगे, पांचवें प्रश्न में 15 अं की दो टिप्पणियां दी जाएंगी।

आंतरिक मूल्यांकन में विभिन्न भाषाई कौशलों (सुनना,बोलना,पढ़ना-लिखना) के व्यावहारिक ज्ञा का मूल्यांकन किया जा सकता है।

रचनात्मक लेखन
(BAHHGEC03)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास करना

Course Learning Outcomes

रचनात्मकता का विकास
विभिन्न क्षेत्रों जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, लेखन एवं कला के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक

Unit 1

रचनात्मक लेखन : अवधारणा ,स्वरूप एवं सिद्धांत
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य ,पत्रकारिता ,विज्ञापन , मीडिया विविध गद्यअभिव्यक्तियाँ
जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

Unit 2

(क) रचनात्मक लेखन : भाषा - संदर्भ
भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक -लिखित, मानक
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग - सापेक्ष, समूह - सापेक्ष
(ख) रचनात्मक लेखन : रचना - कौशल - विश्लेषण
रचना- सौष्ठव : शब्द - शक्ति , बिम्ब , अलंकरण और वक्रताएँ

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन
(क) कविता : संवेदना , काव्यरूप ,भाषा- सौष्ठव , छंद , लय , गति और तुक
(ख) कथा साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश एवं विमर्श
(ग) नाट्य साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश एवं रंगकर्म

(घ) विविध गद्य - विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि

Unit 4

सूचना - तंत्र के लिए लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृतांत , साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि

लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि

References

- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम - रघुवंश
- रचनात्मक लेखन : संपा. रमेश गौतम
- कला की जरूरत - अन्सर्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
- सृजनशीलता और सौंदर्यबोध - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता-रचना-प्रक्रिया - कुमार विमल
- कविता से साक्षात्कार - मलयज
- कविता क्या है - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- एक कवि की नोट बुक - राजेश जोशी
- उपन्यास की रचना - गोपाल राय
- उपन्यास सृजन की समस्याएँ - शमशेरसिंह नरूला
- हिंदी कहानी का शैली विज्ञान बैकुंठनाथ ठाकुर

Additional Resources:

- रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
- पत्रकारी लेखन के आयाम - मनोहर प्रभाकर
- सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य
- शब्द-शक्ति विवेचन - रामलखन शुक्ल
- राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन - एच.आर.एफ. कीटिंग

Assessment Methods

- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

Keywords

मीडिया
विज्ञापन
प्रतीक
बिम्ब
शब्द शक्ति
सूचना तंत्र

लोकप्रिय साहित्य
(BAHHGEC01)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य के लोकप्रिय पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी

लोकप्रियता, जनप्रियता और बाज़ार की आवश्यकता को समझ सकेंगे

पाठक वर्ग को बानने में इस पक्ष की भूमिका का अवलोकन कर सकेंगे

Course Learning Outcomes

भारतीय लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य के करीब जा सकेंगे जो देश की आंतरिक धारा का आधार है |

सामान्य पाठक वर्ग के अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा |

Unit 1

लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य की अवधारणा

Unit 2

हिन्दी के तिलस्मी और जासूसी साहित्य का सामाजिक आशय

Unit 3

भावनात्मक उपन्यास और गुलशन नंदा, जनप्रिय उपन्यास और यथार्थबोध –इब्ने शफी बीए, जनप्रिय लेखक ओमप्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र मोहन पाठक और वेदप्रकाश शर्मा

Unit 4

कवि सम्मेलनी कविता : स्वरूप एवं प्रमुख लोकप्रिय कवि – बेढब बनारसी, काका हाथरसीसे आज तक के लोकप्रिय गीतकार और हास्यकवि

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान

सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य
(BAHHGEC07)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति

हिंदी का विकास और चुनौतियाँ

Course Learning Outcomes

हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का परिचय

विकास के नए क्षेत्र : उपलब्धियां और चुनौतियाँ

Unit 1

वैश्वीकरण, हिंदी भाषा, संस्कृति और साहित्य

हिंदी के प्रचार - प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका

Unit 2

हिन्दी भाषा का विश्व-संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र में हिंदी

Unit 3

हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी सिनेमा और गीतों की लोकप्रियता

हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी टेलिविज़न और रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण

सोशल नेटवर्किंग साइट्स, हिंदी ब्लॉग्स, ई-पत्रिकाएँ, फेसबुक, व्हाट्स एप, ट्विट्टर (twitter)

Unit 4

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मलेन : परिकल्पना, उद्देश्य और महत्त्व

21 वीं सदी में हिन्दी की वैश्विक चुनौतियाँ

References

हिंदी भाषा का समाजशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी की भागीरथ यात्रा – कन्हैयालाल गाँधी

प्रवासी हिंदी साहित्य – कमल किशोर गोयनका

मॉरिशस का हिंदी साहित्य – मुनीश्वर चिंतामणि

प्रवासी साहित्य: जोहान्सबर्ग से आगे – (संपा.) कमल किशोर गोयनका

प्रवासी लेखन: नयी ज़मीन, नया आसमान – अनिल जोशी

सूरीनाम हिन्दुस्तानी – भावना सक्सेना

फीज़ी का सर्जनात्मक हिंदी साहित्य –विमलेश कांति वर्मा

फीज़ी में हिंदी: स्वरुप और विकास - विमलेशकांतिवर्मा

Additional Resources:**पत्रिका- वाक्, वर्ष 2007, अंक 2**

विश्व हिन्दी पत्रिका , 2018

वेबसाईट / www.vishwahindi.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं **में पठन-पाठन पद्धति**

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

Assessment Methods

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

परीक्षा : 75 अंक

Keywords

प्रवासी साहित्य, विश्व हिंदी सम्मलेन, हिंदी भाषा शिक्षण, संयुक्त राष्ट्र संघ, गिरमिटिया देश, सार्क, ब्लॉग्स,

ई-पत्रिकाएँ

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
(BAHHGEC05)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Unit 1

भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्व

अनुवाद का स्वरूप

अनुवाद के उपकरण- कोश ग्रंथ

अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

प्रयुक्ति की अवधारणा; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र

विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ

विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार-1 (अँग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अँग्रेजी)

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार 2 (अँग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अँग्रेजी)

जनसंचार

प्रशासनिक अनुवादबैंकिंग अनुवाद

विधि अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र

अनुवाद के सिद्धान्त – रामालु रेड्डी

अनुवाद (व्यवहार से सिद्धान्त की ओर)- हेमचन्द्र पाण्डेय

कार्यालय प्रदीपिका- हरि बाबू कंसल

कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद- सुरेश सिंहल

काव्यानुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल

कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेश कांति वर्मा

अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेश कांति वर्मा

The Theory and Practice of Translation- Nida E.

Language, Structure & Translation- Nida E.

Routledge Encyclopedia of Translation- Baker, Mona

Translation Evaluation- House, Juliance

Machine Translation: Its scope and Limits- Wilks, Vorick

Translation and Interpreting- Baker H.

Revising and Editing for Translators- Mossop B.

Introducing Translation Studies: Theories and Applications- Munday J.

The Routledge Companion to Translation Studies- Munday J

Comprehensive English- Hindi Dictionary- Raghubir

Oxford Hindi- English Dictionary- R.S. Mc Gregor

English- Hindi Dictionary- Hardeo Bahari

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
(BAHHGEC02)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी सिनेमा जगत की जानकारी

सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course Learning Outcomes

हिन्दी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ

सिनेमा निर्माण, प्रसार और कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1

सिनेमाः सामान्य परिचय

1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा की इतिहास यात्रा-वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य

2. सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट के आधार पर), शॉट के तत्व, दृश्य, क्रम, आदि
3. सिनेमा के प्रकार- व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।
4. सिनेमा का विषयवार कोटियाँ- सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक,राजनीतिक, पारिवारिक,कामेडी और हॉरर

Unit 2

सिनेमा अध्ययन

1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीटमेंट, हाइपर रियल
3. हिंदी सिनेमा के दर्शकों की विविध कोटियां, जनता की माँग और पसंद
4. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3

सिनेमाः अंतर्वस्तु और तकनीक

1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य

2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3.निर्देशक और निर्देशन (विख्यात निर्देशकों की चुनिंदा फिल्मों का अध्ययन)
4. सिनेमा और सेंसरबोर्ड, सिनेमा प्रसारण अधिनियम

Unit 4

सिनेमा अध्ययन की दिशाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, पार, भूमिका, जुबैदा, अमर अक़बर एंथनी, गुलाबी गैंग, पीकू, मधुमती, मेरा नाम खान)
3. सिनेमा के दृश्य, तकनीक, कहानी, स्पेशल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा
4. सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र

References

1. बालीवुड: ए हिस्ट्री, मिहिर बोस, टेम्पस, नई दिल्ली.

2. 70 इयर्स आफ़ इंडियन सिनेमा, टी.एम. रामचंद्रन,
3. विश्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा
4. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जबरीमल पारख

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Assessment Methods

60 प्रतिशत सैध्यान्तिक विश्लेषण और 40 प्रतिशत फिल्मों को दिखाकर उसका तकनीकी विश्लेषण, साथ ही फिल्म समीक्षा आदि का अभ्यास.

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

हिंदी भाषा और संप्रेषण
(BAHAECC01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय

विभिन्न माध्यमों की जानकारी
प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व समझने के साथ-साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पठन में भी सक्षम हो सकेंगे |

Unit 1

भाषिक सम्प्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

- सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
- सम्प्रेषण की चुनौतियाँ

Unit 2

सम्प्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक
- भ्रामक सम्प्रेषण
- सम्प्रेषण की बाधाएँ और रणनीति
- प्रभावी सम्प्रेषण

Unit 3

सम्प्रेषण के माध्यम

- एकालाप और संलाप
- सम्वाद
- सामूहिक चर्चा
- मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया, एस.एम्.एस., इंटरनेट, फीडबैक

Unit 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

- बोलना : वाद-विवाद, भाषण, समाचार, वॉयस ओवर, आशु प्रस्तुति
- लिखना: पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, निबन्ध
- पढ़ना: उच्चारण, वाक्य गठन, कविता पठन, नाट्यांश पठन
- समझना: कथन, विश्लेषण, व्याख्या, अन्वय

References

हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र

संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Additional Resources:

कुछ पूर्वाग्रह-अशोक वाजपेयी

भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत

- सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
- सम्प्रेषण की चुनौतियाँ

सप्ताह 5 से 8 के बीच

सम्प्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक
- भ्रामक सम्प्रेषण
- सम्प्रेषण की बाधाएँ और रणनीति
- प्रभावी सम्प्रेषण

सप्ताह 9 से 12 के बीच

सम्प्रेषण के माध्यम

- एकालाप और संलाप
- सम्वाद
- सामूहिक चर्चा
- मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया, एस.एम्.एस., इंटरनेट, फीडबैक

सप्ताह 13 से 16 के बीच

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

- बोलना : वाद-विवाद, भाषण, समाचार, वॉयस ओवर, आशु प्रस्तुति
- लिखना: पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, निबन्ध
- पढ़ना: उच्चारण, वाक्य गठन, कविता पठन, नाट्यांश पठन
- समझना: कथन, विश्लेषण, व्याख्या, अन्वय

Assessment Methods

इकाई 4 से आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रेक्टिकल कार्य करवाया जाना चाहिए जिसके माध्यम से विद्यार्थी बोलने, लिखने, पठन और समझ के व्यावहारिक रूप से परिचित हो सके|

परीक्षा में 15-15 अंक के चार प्रश्न चारों इकाइयों से विकल्प सहित, पांचवां प्रश्न 15 अंक का लेखन संप्रेषण से संबंधित।

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मौखिक संप्रेषण(वाद-विवाद,भाषण,आशु प्रस्तुति आदि) का मूल्यांकन